त्रिपुर भैरवी जयन्ती

23 दिसम्बर

तंत्र बाधा उत्कीलन त्रिपुर भैरवी दीक्षा

मार्गशीर्ष पूर्णिमा दीक्षा साधना पूजन मुहुर्त 23 दिसम्बर प्रातः 10:45 AM 24 दिसम्बर 06:57 AM तक



त्रिपुर भैरवी को भगवती आद्या काली का ही स्वरूप माना गया है। भैरवी स्वरूप देवी काली के समान ही अत्यन्त वीभत्स्य एवं भयंकर है। इनकी साधना से साधक को समाज में यश, सम्मान, समाज में प्रतिष्ठा तथा वर्चस्व प्राप्त होता है।

महाविद्याओ में छठवें स्थान पर विद्यमान त्रिपुर भैरवी, संहार तथा विध्वंस की पूर्ण शक्ति है। त्रिपुर शब्द का अर्थ है, तीनो लोक 'स्वर्ग, विश्व और पाताल' और भैरवी विनाश के एक सिद्धांत के रूप में अवस्थित हैं, तात्पर्य है तीनों लोकों में सर्व नष्ट या विध्वंस करने की जो शक्ति है, वह भैरवी है। भैरवी शब्द के तीन अक्षरों का अर्थ है-

भ- भरण (पोषण या सृजन करने वाला)

र- रमण (आनंद या रक्षा करने वाला)

व- वमन (सृष्टि को बाहर निकालना या प्रलय/संहार करने वाला)

यह दीक्षा उन साधकों के लिये है जो तंत्र बाधा, वशीकरण, शत्रु प्रहार, भय, मानसिक दबाव और गुप्त बंधनों से पीड़ित हैं। यदि बिना कारण डर, रुकावट, नकारात्मकता जीवन-व्यवसाय में अचानक अवरोध आने लगें तथा बिना कारण का डर, मानसिक तनाव, नकारात्मकता व्याप्त हो जाये तो यह 'तंत्र बाधा उत्कीलन त्रिपुर भैरवी दीक्षा' ग्रहण करना आपके लिये श्रेष्ठ है। जहाँ माँ भैरवी का अट्टहास गूँजता है, वहाँ तंत्र टिकता नहीं, शत्रु बचता नहीं और भय समाप्त होता ही है।

साथ ही इनकी साधना से साधक में प्रचंड आत्मबल, साहस और तीव्र संकल्प शक्ति का संचार होता है, जिससे भविष्य में कोई नकारात्मक ऊर्जा उस पर प्रभाव नहीं डाल पाती।

भैरवी आरंभिक शक्ति है, वह एक चितशक्ति (चित + शक्ति) का भी प्रतिनिधित्व करती हैं जो सभी प्राणियों के मूलाधार चक्र में कुंडली मारकर सोए हुए सर्प के समान निवास करती है। इनके जागृत होने पर वे शरीर में तीव्र गति उत्पन्न करती हैं और सहस्त्रार चक्र में शिव के साथ एकाग्र हो जाती हैं। कुंडलिनी शक्ति होने के कारण वे सर्प धारण करती हैं।

अतः इस दीक्षा को ग्रहण करने के पश्चात प्रत्येक क्षेत्र में सुरक्षा प्राप्त होने लगती है और समस्त बाधायें समाप्त हो जाती हैं। इस साधना के माध्यम से साधक पूर्ण क्षमतावान एवं वेगवान बन सकता है। शत्रुओं और बाधाओं का संहार करने के साथ ही त्रिपुर भैरवी अपने साधक को जीवन में यश, मान, पद, प्रतिष्ठा, धन और समृद्धि प्रदान करती हैं, जिससे समाज में उसका एक अलग ही स्थान बन जाता है तथा लोग उसे विशेष सम्मान की दृष्टि से देखते हैं।

तंत्र बाधा उत्कीलन त्रिपुर भैरवी दीक्षा न्यौ. ₹1800

दीक्षा हेतु नूतन फोटो व न्यौ. राशि कैलाश सिद्धाश्रम जोधपुर 7568939648

न्यौ. राशि NIDHI SHRIMALI SBI UIT Branch Jodhpur A/c No.:20287318460

Branch Code: 006590 MICR Code: 342002010 IFSC: SBINN0006490

आश्रम:कैलाश नारायण धाम E1077 सरस्वती विहार दिल्ली-34 011-45058768 9950980966

सद्गुरूदेव जी के साधनात्मक कार्यक्रम GurudevKailash YouTube KAILASH SIDDHASHRAM पर देखे।